UNNAT BHARAT ABHIYAN

Regional Coordinating Institute, Indian Institute of Technology Roorkee

(News Clipping)

4 October 2020

गाँधी जयंती पर क्षेत्रीय समन्वय संस्थान, उन्नत भारत अभियान आईआईटी रुड़की द्वारा आत्मनिर्भरता और निर्यात के क्षेत्र में भारतीय बागवानी के लिए रोडमैप विषय पर वेबिनार किया आयोजित

रुड़की (दैनिक हाक): उन्नत भारत अभियान, क्षेत्रीय समन्वय संस्थान आईआईटी रुड़की द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 151वीं जयंती के अवसर पर एक वेबिनार आयोजित किया गया। आत्म निर्भरता और निर्यात के क्षेत्र में भारतीय बागवानी के लिए रोडमैप विषय पर आयोजित वेबिनार के मुख्य वक्ता वरिष्ठ आईएएस अधिकारी तथा असम सरकार के प्रिंसिपल सेक्रेटरी डॉ. एमए अहमद रहे।

वेबिनार को सम्बोधित करते हुए प्रमुख सचिव डॉ. अहमद ने कहा कि वर्तमान समय में देश में फलों का उत्पादन 98.58 मिलियन टन है, जबकि एक अनुमान के मुताबिक वर्ष 2030 तक 110 मिलियन टन तथा वर्ष 2050 तक 170 मिलियन टन मांग का अनुमान है। वहीं सब्जियों की मांग वर्ष 2030 तक 180 मिलियन टन तथा वर्ष 2030 तक 290 मिलियन टन मांग रहने का अनुमान है, जबकि वर्तमान समय में देश में 185.88 मिलियन टन सब्जियों के उत्पादन के साथ देश सब्जियों के मामले में वर्ष 2030 तक पूर्णतया आत्मनिर्भर है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2050 तक देश की आबादी 165 करोड़ रहने का अनुमान है, ऐसे में इतनी बड़ी जनसंख्या को फलों व सब्जियों की उचित उपलब्धता के लिए अभी से सजगता आवश्यक है। उन्होंने फलों, सब्जियों व फूलों के उत्पादन, मांग व मार्केटिंग को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

इससे पहले क्षेत्रीय समन्वय संस्थान, उन्नत भारत अभियान आईआईटी रुड़की के समन्वयक प्रो० आशीष पाण्डेय ने वेबिनार की शुरुआत में बताया कि उन्नत भारत अभियान का उद्देश्य उचित तकनीकी के उपयोग से स्थानीय समुदाय का विकास करना तथा स्थानीय चुनौतियों के समाधान में उच्च शिक्षण संस्थानों को शामिल करके गांवों के विकास के माध्यम से समृद्ध भारत के निर्माण की ओर अग्रसर होना है। प्रो० पाण्डेय ने गाँधी जयंती पर महात्मा गाँधी को याद करते हुए कहा कि गाँधी जी कहते थे कि भारत गांवों में रहता है तथा बेहतर मानव विकास के लिए गांवों का विकास होना आवश्यक है। गाँधी जी के ग्राम स्वराज की परिकल्पना को साकार करने में उन्नत भारत अभियान एक सशक्त माध्यम है।

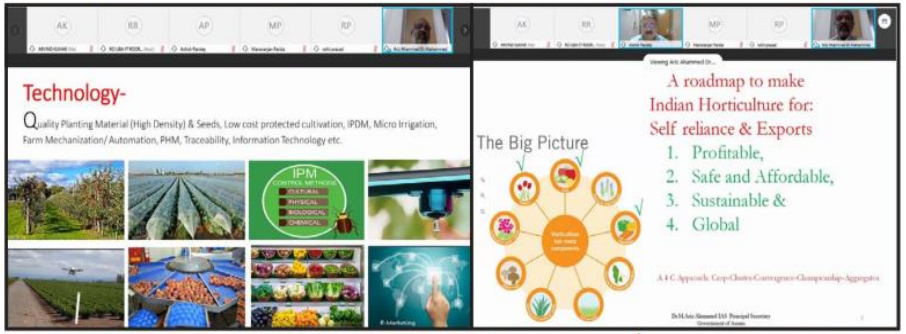

आईआईटी रुड़की के उप निदेशक प्रो० एम परिदा ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि आईआईटी रुड़की 2022 में अपनी स्थापना के 175 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। यह संस्थान 1847 में अपनी स्थापना काल से ही कृषि व उससे जुड़ी गतिविधियों से सम्बद्ध रहा है। उन्होंने बताया कि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि कोविड-19 की परिस्थितियों में बड़ी संख्या में लोगों की गांवों में वापसी हुई है, ऐसे में इन लोगों को रोजगार देने में कृषि क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। ऐसे में उन्नत भारत अभियान जैसे कार्यक्रम निःसंदेह इस काम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अंत में मुख्य वक्ता द्वारा वेबिनार से जुड़े लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान भी प्रस्तुत किया गया। वेबिनार में उन्नत भारत अभियान के पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड के समन्वयकों सहित आईआईटी रुड़की के प्रो० एस के मिश्रा, आईआईटी खड़गपुर से प्रो० केएन तिवारी समेत विद्यार्थी, प्राध्यापक व अन्य लोगों ने प्रतिभाग किया।